



॥ विष्णुस्तोत्र ॥

॥ वाग्विष्णोर्मानसा वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
मा विममय मृदकांतिदहा जागय धाम पद्मं ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
गुणोत्तमाव विष्णुश्च नीलाननः कुरु मनुजैः सख्यं मे ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
चमैः पुनसक्तिर्ग ॥ ॐ कृष्णकृष्णसर्वग गणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
समाधिजा गमन्तु विन्यास ॥ स्वस्वदवपविष्टं कुरु काष्ठं योरा नमस्तुभ्यं नमः ॥
अद्वयवसवदियाव ॥ ॐ ॥ विश्वकृत्सि स मध्यं काष्ठं आर्तं ॥ कदाचिद्भवता
वदविश्वपंकजमध्यं अद्वयं नमः ॥ सर्वदवसक्तिर्ग ॥ ॐ ॥ शुभं च नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

गधर्वाया ॥ रुनयिक्तथागतवजार गिरुवनयापिग गत्व स्वराव ॥ रुनिं देवाय
गणेशाय नमः ॥ ॐ ॥ २ ॥ वाग्विष्णोर्मानसा वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
वीर्यवागि गोवः वसवावनीय ॥ विनीमवनवास गृह्यपुताम ॥ वीर्यमधे गमनानि
पुतिरुक्तं ॥ ॥ अनुक्तवक्तथागाव वीर्यकानगाव वनपयविगिरिविचिष्टक
नमस्तु ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ वक्तमस्तु दक्तं सफसं ॥ अधिगक्षानामस्तु मयं वीर्यमस्तु
नवमः वाधिरुलपायकं सर्वदिने व्यापितं सद्गुरुकवर्तं रङ्गगमस्तु ॥ अधिग

मृत्युकन (॥) रु वं सीसावनामने विवक्तृपे ॥ वक्रपवमान मयं गंधान्दुसैरुका
 संस्तसं (॥) धिगय अपिपूरुवैरुकातमलपूष्यमगवधने वक्रमस्थापितपिपा
 ककजसै ॥ ५ ॥ यदमनर्यं ग कफ वृपसावै आकृष्टमठा किनि ड म न दी
 वृत्तिटिसाधवन दवगावक क्षानसत्तसा निर्मय द्वादिठकीवनी ॥ ५ ॥
 दिमावमने दानपूजसवन समयचक्रप वनित विमदकदसं रमहजागददि
 मय वाधिविरुद्वय समयसत्तक्षानचक्रम किपुनी ॥ ५ ॥ ३ ॥ नागनाग ॥

न २
 रुवंगमरुका धनवाधनाग सुवर्णगोपेन निरुसुनगाय संयामरुम ॥
 धिगनेध नासि नागायसकं कथिगीधनाथी ॥ ॥ वक्रवर्ण ॥
 प्रियवायसन्दरीरुअष्टादशरुतननुकिव (॥) एकादवीवावनीनामदि
 दवी ॥ ५ ॥ रुगनपुमादिनमयनसुव (॥) ५ ॥ आगामुवदपूषानवधा
 वरुजागधनमदिनागुवृडयद (॥) ५ ॥ पेशवृद्धसवृपयोएक २ मरुसु
 जाविनिनेयाहववउरुववा ॥ ५ ॥ मगुवृचवनमिनीतधविथा २ रुनाय

न ३
 वक्रवर्ण ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वाकवदसना ^{मन} नपिनि ॥ ॐ ॥ ४ ॥ वागरोववी ॥ नीलासकानं कनकम
यकि स्यामासकगी दधिगुसाध सापुदधान दवकविपदीष्ट ॥ ॥ ॐ ॥ कददन
यकज्ञानस्वरूपं यथैव ^{विष्णु} वसपक्षसाविपूडिया ॥ ॐ ॥ पुमादववतिवाय
शितनवीना ॥ वीवंसवापकमयाआनन्द ॥ ॐ ॥ वीवंवीदध्ववसरुजाआनन्द
श्कनकमलोमकदयाआनन्द ॥ ॐ ॥ पक्षवद्वयकध्वनस्वरूप
दवासवनवयमादिनदया ॥ ॐ ॥ ॐ आहूजीखगाधनकविगा २३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मन्त्रव ^{मन्त्र} धनिवीवमाआनन्द ॥ ॐ ॥ ४ ॥ वागरोववि ॥ अथवातलिक
॥ केशनीलाङ्गनः पक्षज्ञानस्वरावश्चकालगुववीजमूल्यना ॥ ॐ ॥ निव
निगमदासास्वरावमासकिः सवसन्दवीतवडीवनि ॥ नमामित्रीवानुनिवसि
दिजान्द ^{मन्त्र} यथैवममूल्यना ॥ आनिर ^{मन्त्र} यवविनयनसक्तिका ॥ एकमुखपि
वाचनीदवी ॥ ॐ ॥ अह्लादगहजधाविः ककवधकवाजः सवकूपदिगियक
नरपागीकभावयवधजगतावजानवभवदयथमसकव ॥ ॐ ॥ अय

उद्धृष्टकधनवज्रवंध स्वर्गो गकमवधवन्तं २ गि गृह्णन्तु गल वज्रवनगः प्रयति
 दनकमारुचः ॥ ॐ ॥ उद्धृष्टाजिह्वककातकवगवर्धः मेज्जाकातकुतावधगु २
 तनीरवअदिनीसकतवाचनीः पवमाथवज्र जयमावा ॥ ० ॥ ॥ वा ॥ वा ॥ वा ॥
 मधुमग ॥ अथवाकज्ञाव ॥ नीरवर्धवाचनीदवीः चकीकृत्तकठिनायज
 सखनारुषिगात्रयधाविगा २ ससमानमराकिरीपूजिगा ॥ ॥ स्वस्वदीजा
 कने ४ समस्त्यनादवीमामकि ॥ ॥ नमामि २ दवीथीमामकि तवजीवनि ॥

श्रीगवधु ॥

नमस्तनसन्दरी ॥ ॐ ॥ पञ्चकृत्तमकपायः सजासवनवे ४ वन्दितचव ॥
 ॐ ॥ ॥ वागवनि ॥ गावमाथीपीनवर्धमामकिदवीः विश्ववापिगा २ अम
 साधनयगात्रनिदवी ॥ नवजीवनरीतासुसन्नसन्दरीः स्वस्वदिजाकवसमस्त्यना
 ॥ चकीकृत्तकठिनायकमखनारुवगनरुक्कगणहविगा ॥ ॐ ॥ नमामि ॥
 वात्रनिदवीसखधवीः पूजयामिमनावाकिगा ॥ सगरुत्रचव ॥ प्रथमानितक्या
 अनरुनसिद्धिमाकसंपद ॥ ८ ॥ अथनवकवर्धमाव ॥ वागक ॥ गावषट्कज्ञाव

श्रीगवधु ॥

श्रीगवधु ॥

॥ रुविगवर्धनी प्रिनयनसुन्दरी नवशोवर्धनी जवनदम्भता ॥ ॐ ॥ एकादशी
 मामकिवाचिद्वी ॥ अष्टादशतुल्य ॥ रुतनलुकिव ॥ ॐ ॥ यश्च वदुस्वयं पा ॥ एका
 कान्तिवरी ॥ ॐ ॥ रुकाचनरुविगवर्धनी सावातगन्धनासर्न किंकाचवरीय्य
 हंताश्च अमृताकाचं तु वयम् ॥ ॐ ॥ सतगुर्वचन ॥ गिरगन्धविद्या रतन
 यिसिद्धिवर वजाचार्यगीता ॥ ॐ ॥ ॥ वागयश्च इति ॥ यश्च मस्तपाय
 वागनामक ॥ सानुमं तु तमाक ॥ कलितहकावा ॥ आलिकालिहृथिचापयि

॥ रुविगवर्धनी ॥

दुर्का ॥ ॐ ॥ नमामि श्रीनीलाचम्बितरुवननाथ ॥ वदुवावादि आतिर्गन
 अद्वय ॥ ॐ ॥ रुद्रवर्धन वदुवन प्रिनय विश्वकलिसम अर्धवन्दुशक ॥ ॐ ॥
 जाकिणीवामाखतुना वदिनी ॥ वदुद्वीकिदन्ति विनासा ॥ ॐ ॥ रुद्रविगवर्धनी
 रुद्रविगवर्धनी वदुवन रुतनयि अनूपवदु रुद्रकदास्य ॥ ॐ ॥ ॥ वागयश्च
 इति ॥ यश्च मस्तपाय सविद्या समयाचार्यरु वस्मान् ॥ दग्गादिगसम्बन्धनाधि
 यात्र ॥ ॐ ॥ समया आनन्दरुतनमिहायि ॥ विवर्धनी वदुवन वयि स्थान ॥ मं तु तमा

॥ रुविगवर्धनी ॥

नजननी ॥ ॐ ॥ पूर्वद्वगगतनकुवर्णगी २०० गानयामिनिद्वी नीतवर्णगी ॥
 ॐ ॥ वायुवर्णगी ॥ रुनिद्वी गीतवर्णगी २०० गानयामिनिद्वी नीतवर्णगी ॥ ॐ ॥
 मेमल्यसंवासी नीद्वी रुनिद्वी गीतवर्णगी २०० गानयामिनिद्वी नीतवर्णगी ॥ ॐ ॥
 वयुर्लज्जकाननायकसंवासी नीद्वी रुनिद्वी गीतवर्णगी २०० गानयामिनिद्वी नीतवर्णगी ॥ ॐ ॥ १०१ ॥
 स्वागच्छ ॥ अथ षट्कमनः ॥ वज्रजागिनी रुनिद्वी गीतवर्णगी २०० गानयामिनिद्वी नीतवर्णगी ॥ ॐ ॥
 ॥ ॐ ॥ श्रीवयिधमसावसः मल्लसखक विद्या २ वज्रद्वी रुनीया अत्रुवर्णगी

वज्रजागिनी ॥

न ॥ ॐ ॥ उज्जयिधमसावसः मल्लसखक विद्या २ वज्रद्वी रुनीया अत्रुवर्णगी ॥ ॐ ॥
 सगुणरूपमादचतुर्थी रुनिद्वी गीतवर्णगी २०० गानयामिनिद्वी नीतवर्णगी ॥ ॐ ॥ १०२ ॥ विद्या
 प्रिका रुनिद्वी गीतवर्णगी २०० गानयामिनिद्वी नीतवर्णगी ॥ ॐ ॥ १०३ ॥ विद्या
 गसंरूपविमलुनी ॥ वागपद्यति ॥ गावमाथ ॥ मल्लसखक विद्या २ वज्रद्वी रुनीया अत्रुवर्णगी ॥ ॐ ॥
 ॥ ॐ ॥ जानलुवर्णगी २०० गानयामिनिद्वी नीतवर्णगी ॥ ॐ ॥ १०४ ॥ विद्या
 यवाचुनाद्वी गीतवर्णगी २०० गानयामिनिद्वी नीतवर्णगी ॥ ॐ ॥ १०५ ॥ विद्या

मल्लसखक ॥

वडवापियात्र॥ ॐ ॥ कायवाकविरुप्रिनिहवनं २ दानयगिया ४ राश्रवमात्र॥

ॐ ॥ यागयागिनीमनीः समवसंता २ अष्टमममानधीहवववाया॥ ॐ ॥

॥ १८ ॥ वाग ॥ गात्र ॥ अमलप्रिदवसवात्रुविवाहिता २ गिरुवनसवना

ववचकवृथा २ गकिपीववगिनीवडावेवावनी॥ श्रीदवीगिगकिप्रितवमाता २

नासिमउलमावृहवनं २ श्री २ गिनिचक २ दिनिप्रिनयना २ गिनिता २ वयकन

प्रितनवापिता २ अष्टमयनिवडेनडागिनुपा २ वगुमिसुगुमिवतददिसमागा २

२ यानासकेतिमनया २ वतमान ॥ मृतुखा २ एवम ॥ गम २ विरुवनाना २ वन २ याना २

॥ उद्विक्तागाद्विक्ताबाग २ उद्विक्ता ॥

श्रीवक्रजागिनीपादसदना॥ ॐ ॥ १९ ॥ उतादधान २ कतहगिसफ २ काखायवा

सकतददरुक्र २ सयागयन २ कतमगमडा २ गंधानवाग २ कथिमेवहिव ॥ दगाह २ वदी

गावइरुमान ॥ नमः २ हकावनवधव २ गच्छयिसत्वडलावमवव ॥ गनाह २ रू

नामगइ ॥ ॐ ॥ धववससीविशददधव २ सवदसा २ विर्यकावमवव ॥ ॐ ॥ २० ॥

दशातिर्गनयागधव २ वजघ २ समुद्रावमवव ॥ ॐ ॥ मायावृन्दतिनडा २ गो २

सादिर्यवडासत्वपवमवव ॥ ॐ ॥ २० ॥ आगामनगा २ कनकीरु २ गोवी २ वका

श्रीलोकमनेलोकनेकोश... ॥ तदा वसानं च किं गामु गमको ॥ नृवं विधुवा क्रमसा पुता...

वि
वृ
॥

वसानं च कृणामु गमक मुखविधुवं यमना प्रताकं नधु कनियं कथिगं सनिन्द्रा ॥
आगमधुमत ॥ विचक्रुः च विगमि मधुतमा पृष्ठिगि आनन्दमवुनिधवा २ वजवावा
हि आलिगनं सर्ववृत्ता नावसस्मि मसाकता ॥ कना हूँ कना कं कं हूँ कना २ नीतवह
वतुर्वक्रा प्रमिस्रवसि मय पवमा आनंदमवुनिधवा २ विश्ववक्र अर्धवन्दुजग
सामक्रुधवसा उजातवजस गमिता ॥ ५ ॥ वज्रघटगजचर्मठमन्त्रवदीग
धनविजमानन्दमवुनिधवा २ कवनिकपावचयव उपागधन विधुत्तवक्रा गिनध

मधु कनियं कथिगं सनिन्द्रा ॥
विगमि मधुतमा पृष्ठिगि आनन्दमवुनिधवा २ वजवावा
नीतवह
विश्ववक्र अर्धवन्दुजग
वदीग

॥ श्रीगान्धारी ॥

नमा
विश्व
॥

वा ॥ ५ ॥ दिगं विदिगं काकास्या दिगयमपादि याचः सदजा आनंदमवुनिध
वा २ नमामि २ श्रीचक्रवर्त्तव गगयुवव धिना ॥ ५ ॥ २१ ॥ आगमधु
मत ॥ नमामि २ यागमन्त्रनृध्वनहाना किनी पवमधवा २ इविगुद्रुवन अतिधवव
नुदरा हाना किनी आलिगना ॥ कना हूँ कना हूँ कना कं कं हूँ हूँ ॥ ५ ॥ ददि
नमजसनवामधनधन कवशगवक्र कपावा २ वज्रघट प्रियवायन सन्दवीपदसिग
काधगुर्गवा ॥ ५ ॥ पदमवजपदमाधव रगवतिपावकुनिपृथ्वपदागा २ रा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

बलुगवन्नुसर्ववन्धन मोचय सर्वदुःखगणना ॥ ॐ ॥ विविधिमात्रवविष्टवि
नाशनमिद्विदिवप्रदाता २ सकृदुद्वचव ॥ सिद्धिगणधनिया आदिबुद्धयनम
ध्या ॥ ॐ ॥ २२ ॥ निमज्जनं न विहीषस्ममि आकागम्य वदवाचनं
उकम उद्यमनाय कमानमूर्ख कपालि श्रीनवर्व सकनमानुका मधममना
धं ॥ ॥ वागमन्धनवरी ॥ ॐ ॥ आ ॥ ह्रस्वदुःखकलाता ॥ मन्त्रविशेषद्वय
२२ ॥ पूजापूजितपूजासंता व सत्त्वयसैतद्वच ॥ ॥ स्वस्वत्याहित अतिवसिद्वय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पद्मघाटयविष्टद्वय २ पद्ममियात्रसर्पवसा विसर्पवक्षनसर्ववसिना ॥ ॐ ॥
सर्वदुःखनाशकसहस्रयमयः पिगाधोमान्दाअयस्मान् २ उककजाकिनादि अष्टम
स्वान ॥ ॐ ॥ देवसिगुद्र २ रुकुथ ॥ ॐ ॥ समयावगुन्नुमागुसिद्धि ॥ ॐ ॥ रुतसैतव
दविष्टद्वि २ ५ ॥ ये मन्त्राथिव रुजसैपिवथ ॥ ॐ ॥ विषयमातकामथ ॥ ॐ ॥
दानपदिसर्वकार्यसिद्धि ॥ मनीवथसर्वसवपुदम ॥ निव २ आवसैसावगथाग
गवयन २ स्वकार्यकानवकुथ ॥ ॐ ॥ २३ ॥ वागमेव ॥ नाववट्कगज ॥ ॐ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

धन ॥ ॐ ॥ साव विमकूटविगेरुसा ॥ २ ॥ पुन काठिया ॥ ॐ ॥ नमामि २
थीरुवजा २ ॥ पुन पुन पुन ॥ ॐ ॥ २५ ॥ वागज्जुदि ॥ सा ॥ उ आगन ॥ ॐ कि
या ॥ स वन धन यिक वाति ॥ सा ॥ २ ॥ पुन वाती ॥ म ॥ पुन स म नान ॥ म ॥ कूट क म
दि ॥ ग वना ॥ २ ॥ स मा ॥ न व स न व वाया ॥ म ॥ कूट स न द वी ॥ मा ॥ न का सा ॥ २ ॥ स वि वा दि
॥ व ज वा या ॥ दि ॥ २ ॥ रु ॥ म दि भा न सा वा ॥ २ ॥ म ति य सा य न व न स रु म य ॥ २ ॥ रु य
॥ व य यि र्वा वा ॥ २ ॥ ग ग ल नी ला व रु व दि य क ता ॥ २ ॥ म न म ॥ ३ ॥ त रा व वी ना ॥ ॐ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वि यं ध न ष षां ग ॥ सा दिं ग वा सी व न प यि म यि ॥ १ ॥ न र व ना वा ॥ २ ॥ रु म वि वा दि ॥ व ज
वा ना दि ॥ १ ॥ पु न वि षु द ख रु णी धा वा ॥ ॐ ॥ गा व कू लि ता व रु रु यी या आ ति र्ग
॥ २ ॥ स म पु न व न ग जा वा ॥ १ ॥ स म या आ नै द ॥ रु लिं ग वा म पु न ॥ २ ॥ स न व व ज वा ना
दि ॥ ॐ ॥ २७ ॥ वा ग य ज यी ॥ च कि क पु न क ठि वा च क म ख स रु पि न गी य न रु
॥ न न गि ल मा ला ॥ २ ॥ स न व क च की ने या ॥ स म वि रु पि न ॥ ग ग ल रु रु वी र्वा ड नी वा सा वा
॥ २ ॥ म म मि रु व ॥ १ ॥ रु मा न का वा ॥ २ ॥ रु ग ना थ स रु क उ ला वा ॥ २ ॥ व रु क ना ल क सा थ

विनिर्दिष्टम्

धनिया क०८ धिवा इव द्वांग २ संप्रगङ्गा नि कमच विदा सि (गवा) सदा सखम वि
पुगाय ॥ ५० ॥ वरुवावादिआलिगणममचन नां वयी वरु वरुतां ए२ वाचुनी
काययिकी दं गिह उव अर्द्धरुवरुन न ५० ॥ ५१ ॥ सदससमणीयेया गावे
न कर्त्तुपा हनवचन (पुगा) पुद्गाआलिगण हन नीताव रू विनास यि शूना
कचता ॥ ५२ ॥ २१ ॥ वागहेन वि ॥ विविदि विद न स मा व वि ग सि व द न २ द
वन न अ स व ग ण सु व न ह ए क न ॥ २२ ॥ नां वयि व न गा मि थी स न व वी वा २ व रु

१२ वरुवा

गिनीय गि न सा सद स गं गा वा ॥ ५३ ॥ विरुवावादिआलिगण क०८२ कृगि स
वीरवीन अ व स स व स (ग) क ॥ ५४ ॥ (ग) कृ द रु न वि नु म न स ग रु क २ क न
० ॥ ५५ ॥ वाय न वाय विष य ॥ ५६ ॥ द्वादश उरु ध वि न वायी व व व द न २ नी
स स सा व न ग ग ण गुरु नी ना ॥ ५७ ॥ २२ ॥ निग वि नि द्र वि न वा ग प घः शु क
इ गि कृ द न वा ग प घः स गी गि सा नां पा ग स प (ध) क श्री मा व यी मा व व वा ग वा ज ४ ॥
वा ग मा व व ॥ गा व मा थ ॥ व डि पी धा वि द ना वि व ठा वि नि २ सि धि नी वा धि धी

सुभाषि २७ सुभाषि

[illegible]

三

मि० धर्मधारा... नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

जसो वावगावनिना ॥ ॐ ॥ पागुवममडा दामगाथधियाउनवसिवमा
नाविश्वरुतिसमग्रवदुजगुरु ॥ वापुवममपुठमडा ॥ ॐ ॥ अतिरुपया
रेववापयिषधुवकाहिनाजिदिनमडा ॥ ॐ ॥ नोलहिगयाहिमकनकामय नडम
खप्रतिरिपनाउस ॥ ॐ ॥ दधिसेवीनवीनधुवनायक विनिवकुमठिने
विश्वरुतिसमग्रवदुजगुरु ॥ ॐ ॥ अतिरुपया ॥ ॐ ॥ ३२ ॥
नाम ॥ विठ्ठलविमल विनिनयने नमस्तुभ्यं गदिगववा ॥ ॐ ॥ ३३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

का कनागा कनागा ॥ वामकनाक ददिनकवकिरुताउआरवणस आदि
ता ॥ ॐ ॥ सूर्यमस्तमाय नालवममरुतिरुनवसिवमात्राविरुपिता ॥ ॐ ॥
सगुपुववव (६) सिवगमधविया ॥ पुंमामि वरुदायादि आनिगना ॥ ॐ ॥
॥ ३२ ॥ आगरेवदि ॥ अथैववा ॥ वि सयसस आता ॥ रुवकि कपावकवधिव
न ॥ ॐ ॥ ननपुननागसापनाक नावयिसावानवकव ॥ ३२ दिनपदया
नवक जिनेजन नियवजगानिना ॥ ॐ ॥ अथैववा ॥ आरवणस आता ॥

मकटगात्राः चयनं गन्धनगात्राः ॥ यैवदत्तः (भास्तिगमउत्तः अन्नं गमउत्तः सिख ॥
 वाउत्तुक्ष्णं सवत्तुत्तः मधुलवत्तुत्तः विमादः ॥ वातिमासा चठमिचनविनागनः धाव
 मिमावपयाया ॥ समयत्तुत्तः वत्तुत्तः विः नावीतिगन्धनगात्रा २ शिगेनीदत्तमत्तः
 ठीगः वाठीगमात्तपयाय ॥ व्याप्तवत्तुत्तः मिमत्तः ग्रीवत्तुत्तः नवगितमात्ता २
 नन्दमत्तः रवत्तुत्तः गधविः कवत्तुत्तः कयाया ॥ मिनिगिवायनदवः इयत्तुत्तः इयत्तुत्तः
 गाः चकिक्त्तुत्तः कटिवावत्तुत्तः (भास्तिगलतिगमात्ताकात्तः ॥ ५ ॥ ॥ वागतेववि ॥

(भा) म २ श्रीरुक्मणीवाः चन्द्र (भा) मलकुलिगठत्तः र्यवत्तुत्तः कयायात्तुत्तः (भा) सि
 तः नवसीखनीत्तुत्तः ॥ ५ ॥ मत्तात्तः रसयवत्तुत्तः सवत्तुत्तः पिगत्तुत्तः मत्तः सवत्तुत्तः
 वत्तुत्तः सवत्तुत्तः ॥ ५ ॥ नमामि नमामि गठत्तुत्तः विरत्तुत्तः व्याप्तवत्तुत्तः मत्तः मत्तः २
 द्विदत्तः सिगत्तुत्तः अयत्तुत्तः सवत्तुत्तः विः वत्तुत्तः अत्तिधपदा ॥ ५ ॥ ॥ वागमधुमग ॥
 नमामि नमामि मिश्रदिकात्तिपवापिगः ददत्तः मत्तुत्तः वत्तुत्तः वत्तुत्तः २ कवत्तुत्तः मत्तः
 पयत्तुत्तः मत्तः कयायात्तुत्तः ॥ सिगत्तुत्तः रवत्तुत्तः गधविः ॥ ५ ॥ नमामि २ वत्तुत्तः विगत्तुत्तः

यथास्तु ॥ ५ ॥

धनकवि॥

रुर्ले. चतुदशी॥ पूर्वमाजिरुद्र. दक्षिणपूर्वतुद्र. पश्चिमधर्मडा. वेगवर्तुशुका
सगुफासवस्वगिदवी. चक्रकाकासाग्रदामा॥ ५॥ ॥ वागविनासं॥ धनकवि
साधव. धान्य ~~मै~~ उत्तलिगया २ पूजनयास्मि. रावगात्रगिदवी. पीगव
रुमकमुखे षट्पुञ्जया. सतिगासनददिनवदवत्तमैजतिगा २ वज्रधवसाधव. शुभसि
वस. वामकवलिगसुवर्तुकवै २ धान्यमैजती. पुष्पापूजक. मणिमकूट गितसं. व्याधि
निधादिगा २ दिवावदितवगात्रपी २ चिकित्सवणविविधिवत्तविषुषणचिकित्समणि

वेदिगात्र २ साधकलिगया. वसववि २ श्रीतकीधनधुवी. रुद्रनिधिगीवडा

अनिलिग

धाविगा. कमिमय २ वाभलिगवज्रयाणि. लाकधवदहिम २ जतजन. वरूनजग २००
आदिदवगण. लाक वावसाहिगा २ श्रीगुम्तात्कनूवजावायविजा॥ ५॥ ॥ ॥ ॥
वागवसीम॥ अनिलिवर्तु. उत्पन्नादवी. शुक्रवर्तुसज्जहिगा २ कर्तुशुत. पावगा
पूतकवनिमषव (आहिगा॥ ५॥ ॥ नमवास्तुतिसिद्धिआगीनीयागिनीमनमाहिगा २
अष्टसिद्धिसिद्धिदक्षादवि. विप्रमावखणिगा॥ ५॥ ॥ अनेगवदिसुवद्विदक्षाना
जा. विशवयदन् ५ दनी २ वज्रडाकिनीवज्रयागिनी. कावगासनकुद ॥ कव

अष्टमि नमः ॥

खण्ड-भद्रपावनमूककशिरयंकवा२मृदुमृदुवधुविग. लयायजिह्वाशयंक
वा॥ ५ ॥ दुष्कादविगकगावा. उगतसमानवापिगा. नाधववधसिद्धविया. श्रीवि
नृपाधिराधिरा॥ ५ ॥ ॥ मागसेववी॥ गावधय॥ अष्टभृंगान्ननकनकमणिम
य. नानावतनपकलिगा२चतुद्विपसंगम. मध्वभद्रमाय. श्रीवज्रसत्त्वगुर्विजयी
२सुभद्राभतमणिकिन्धसजा. तासवल्हटविनाडिता२श्रीगुग्गुलात्कव. संहमना
था. वल्लभगुत्तनिर्यागयामि२पथमगजश्रीगुग्गुमगुत्त. अर्चितावधकमलमि

२५५॥

अध्वनीया श्येकात्रजागन. पूर्वविदस्ता. वंकात्रजागन. ऊँवादीप श्ते अथवा (भा) गयनी. वं
उरुवगुत्रव. विविधिवगन संपूर्ण श्याउ पद्मीप. वाड्दीप. ताडपद्मीप. बाडपद्मीप ॥ ५ ॥
गजत्रगन. पूरुपत्रगना. अश्वत्रगन. म्लीत्रगन. मणिवगन. चक्रवगना. वासर्चनिधान
संपूर्ण ॥ ५ ॥ ॥ वागयमज्जलि ॥ ठावज्जमि ॥ अनील अन्नतज्जता हवसा ५. भ
त्रमथुलेचक्रनाया श्वरुपैज्जतसत्रजालसयत्रा. पत्रिरुविहत्रवनाया श्वामात्रुवयी
यात्र ॥ ५ ॥ अथवा कत्रुधमश्रा लिंगपदत्रुवक्रयेया श्वरुवात्रादिश्रा लिंगप. संपवत्रुयेया ॥

२ कलभार्चन ॥

[illegible]

ॐ वज्राम्नादकमञ्जुकिनीसमन्तावन्तुतावन्महद्ययत्रयशग(वमसत्रति. श्रीलक्ष्मी
महाकाल. ॐ सप्तमिष्ठिगवर्जस्वाहा ॥ ६ ॥ कनककन्यमणि. वगनत्रविगद्यट. य
चपन्नवडय(गारिगाश्रयैवामृगयैववगन. यैवाषधि४यैवविदिगी(र्थदक ॥ ६ ॥
नागगुह्यद्वोक्तुसदिगा. वजाचार्यमलुन्यागमश्रुकिनीनाम्नाखण्डयास्तत्रपिनी. यी
र्वीअध्वनसंशगा ॥ ६ ॥ भगवन्नुचव(व. कवगावर्चनकं. अमगसखरुलदागुम
हाशनमज्ञंरपुस्तुअखण्डमञ्जुलाकाव. हानगास्ववसदगम ॥ ६ ॥ ॥ ॥

॥ कृष्ण ॥

अद्विनिनिदिगो॥३॥

वैद्विप्रच्छादिया ॥ ॐ ॥ वामदक्षिणकथं. सूत्रवाचपाणिश्चतुर्थिवज्जाननवश्रु
निशायीया ॥ ॐ ॥ प्रहाद्यठाध्वनी. उपायिचवज्जश्वजपवद्येनचिर्यसीताम् ॥ ॐ ॥
कर्तुर्वार्त्तकं. अत्यन्तवसामश्चकवद्रुपुगिच्छामउतसाम ॥ ॐ ॥ ३० ॥ (वामदक्षिण
वि॥) ऊर्य्यऊर्य्यवाच्छलिसयलशुतात्कव. अखयइश्वरसीतावन ॥ नूननूनयासाव.
सादसाप्रवाकं. नावयीमाव. मितवात्रुतश्चिनपदयानवग्यसाप्रवाकं. चिनऊन
नीवज्जआगिनीश्चयज्जसाप्रवाकं. अत्रातनयसम्पत्ताश्चकवगिकयावधवणीश्च

विश्व

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

(श्रीगणेशाय नमः)

यज्यं ब्रह्मसमस्वानपि विधिगुणवृत्तनवगितमाता २ जयजयनाखरुजगत्स
सायं पुणमा मिश्रयवाक्यलि ॥ ६ ॥ ॥ वाग ॥ कोयिप्रथियवाजांमममनि
नैकं कोमां २ येनकापिधिउंभोवां २ के वृत्तकीयांयीनवां ॥ मेतयज्जैइववा
इयियां ॥ दिन्दिमकुंदिनू वाजयियां ॥ नैदि ववखांजयी गंधं २ मेयना पिऊं न
योयियां २ रुंवीकाले २ तं पनिया यियां २ इंइववां २ नयोयियां ॥ ६ ॥ चंडस
मककुं विमिद्रां २ के पूतवां वनयोयीयां २ मेतयि ॥ धनसो लिऊं २ नैदि

(श्रीगणेशाय नमः)

वृत्तांजयीयायां ॥ ६ ॥ पुंवनऊं गुंके वंयं २ गुंछासं धनं मेनियायीयां २ नीत
सुहृं गुं वं वयीयां २ नैदिऊं सुवां वनं येनमां मियां ॥ ६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
वाग एववी ॥ यवज्जगि ॥ कतिग वृत्तानव श्री चक्रसंबव कंकावा इवजिद्राज
वपमाना २ मांसाद्रु निमयमांससंश्रुता दानपगिययवा सुखरावकु ॥ खखा
खादिस २ गमकदरुना येचा मियात्रस अतिवलिना २ श्रीवृत्तयागिनी अकि
नीनामाखठवासा नृपीनिगा किरावकु ॥ कृषिसेवीव विषधवीमउता नव

श्रीगणेशाय नमः

नाटकवस. कितिकितायमाना २७ मन्त्रघठाधनिपुमदिगवादिग. दानपमि
याविप्रिविनाभीगा॥ ॐ ॥ यागिनीपंचदवी. पंचश्रुतिनयनातवलु. शुभ
भाकिदानपमिया २ मातातिनागने. वक्रवक्रसयना. श्रुतिमगरुससखमीक
रवलु॥ ॐ ॥ सर्वसिद्धांतवाक्यजहृजांशोरकवद्रमावायनिताक. धेक
सा २ पत्रमाहृगिरुत्प्राणिसयना. अनुरवसर्वसत्त्वमाकृगमनी॥ ॐ ॥ ०० ॥
स्वागकनयी॥ गिरुदाचापयिजागिनी. दहकवाविश्कमलकृतिसघन. कवद्र

गिरुदाचापि

नवियात्र॥ ॐ ॥ जागिनीउक्तावीध. खनकनजीवयी २ भावामरुचम्वियात्र.
मकवसीपीवयि॥ ॐ ॥ कृपकृयागिनीतपमजायी २ मलिकववेदियात्र. डाठि
यानसमान॥ ॐ ॥ सामरुघनंधायकृचिकृगाविश्चंदसूर्यइयिपकनरुडा
॥ ॐ ॥ एनयिगुदातिरुम. कृष्णवीरा २ नययनातिमाध. डरयनविवा॥ ॐ ॥ ०० ॥
स्वागकनठि॥ श्रीमेशनाथवन. मसारिनविऊयाश्चंदहासखड्ग. नागवासदहृक
३॥ ॐ ॥ नमासिश्शीवीमेशकृमाया २ जगदिधवजगगुहृवन्नयापिगा॥ ॐ ॥

श्रीमेशनाथ॥

पूरु कधवशुभ. पवमशुभयायाश्च धर्मधगुल्लान. नपावमशुभकना ॥ ५ ॥ अ
 गतत्वाथ अगत. निर्वृज नवाहाश्च सर्वगाम्बु विसावदपठित निर्वृजना ॥ ५ ॥
 त्यागविरास ॥ दिशुज अकमुखवगगवव (१२) नगनमकूटकंग. प्रिनिवावनी ॥ ५ ॥
 नमादं विवृष्टा किनी. विश्वजननिश्चिनुवनवापित. जिनहानवयनी ॥ ५ ॥
 दिनकववज विवा सिगदधनिश्चामकवीतक वशुमावपीवयी ॥ ५ ॥ गवृधीम
 उत्तमा ५७ दियामम (१२) वननपूववयंगगतपवसि ॥ ५ ॥ श्रीविद्याधविदवी

सुवननवमहिताऽसकवचिद्धिसिद्धिदहिनमाणा॥ ५० ॥ ॥ वागनिर्वचः॥
विद्यैवीश्वमयत्नः मनोर्गसत्तः तावन्तुसववत्तः दुर्मगीयाऽजातिवक्रसुसुखीका
गः सवीनाः अनुरक्तमश्राविया॥ ५१ ॥ ॥ वामकवागकः दहिनकववजः नगनकृटक
गियाऽवक्रनक्रसायनः विनायीप्रवातिथीविद्याधविदयोक्रवयीया॥ ५२ ॥ ॥ सूर्यम
उत्तमाऽऽदयीप्रनिमिः चीयसीयावाथीगियाऽऽकनूयसंस्तवः पिवयीप्रनिमिः थव
रुमवयनदुर्मगिया॥ ५३ ॥ ॥ अथीवथीप्रनहायीप्रइन्द्रवाजः अर्वध्वश्रानिनकानि

[illegible]

गङ्गा नमः ॥

हनवनागसयतः ॐ रुद्राश्वादिपुत्रमिकारणकालवर्ष ॥ ॐ ॥ कलकलिविन
 तिः उवयमहासद्यः तेषु सुखवगावृत्तसंगघयाविता ॥ ॐ ॥ जलध्वनवमघजल
 धायापुत्रः ॥ कण्डपकणः गालिकविर्ग ॥ ॐ ॥ श्रीरुद्रकवज्रगवृत्तः आगच्छयमहा
 मघसर्वनाम ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ वागवनावलि ॥ लंबाकवर्तवापवः शिनिनयनाश्कठि
 लाकवसिधुवर्तविता ॥ ॐ ॥ गनारुद्रं रंगं गनारुद्रं ॥ २ ॥ पापवज्रउरुता
 धेयवगुसंध्याश्चरुमूलकस्यधवि ॥ ॐ ॥ जगनिर्गुनी मारुनी आकषणी

गणेशकृतम् ॥

आदिर्भक्तकल्याणकवचम् ॥ ॐ ॥ स्वर्गमध्यागावप्रितुवन्नगधपतिपूजिष्यामः
सर्वकार्यसिद्धि ॥ ॐ ॥ ॥ ॐ नमः श्रीवज्रसत्त्वय ॥ ॐ नमः श्रीगणेश उताय ॥
वैदरुवादिनिमग्नसंतापनीं पण्णासयासत्तुं नृकप्रभादनं मयाज्ञानसंतापनं नमस्क
वज्रनाथायकं नमस्कृतवगावनी नमस्कृतुं नृपाय नमस्कृतुं नृपानाकिनी नमस्क
रुं नमनमा ॥ रक्षाहंत्वानमः सा मिगणचकार्येनमास्तु ॥ सद्यष्टदवगा पूर्णक
कला पविरुयाग गणमउत्तंगणचक्रमूर्कर्म भक्तपकमसायक यागिनीयाग ग
णमउत्तं ॥ दत्तान्नपापीवरुमगशाजनं पित्रिपुत्रसिद्धिमूर्कमी पीधुक्तवृत्तिग
सर्वसत्ता नवकप्र चक्रुताकानाविधइष्टमनस्ककर्क त्ववक्रपूरुपमितय
गु वधुतवन्धुनिवृद्धयानि जमतिव तवभाकसाय ॥ सास्यामनारुव यावन्मा
त्यगीर्ग नृप्यववाधिवन पूष्य सूर्गधविर्ग अज्ञाननागर्ग पचाववधूपीदीप वरु
उपसक्तं वसमद्यपचाकर्ग ॥ श्रीवज्रसत्त्वय वविशु महासखी त्वीसंसावइष्टवपविम
कैरव चवद्वर्ध ॥ गीधविपूष्यवत्तनेवद्यक् चक्रुं नमामि गितरा ॐ नमामास्तु ॥ न

मलुगं जिन वचन कृता यक. नमस्तु श्री योगा मन्त्र चक्र नायक ॥ नमस्तु गुरु वज्र चक्र
नाकः ॥ नमस्तु गुरु श्री वचन चक्र नायक ॥ नमस्तु गुरु श्री वज्र वाचादि चक्र नायक ॥ न
मस्तु गुरु श्री किनीनामिका गन्धानामा नमः ॥ इति नील उता क. प्रियं कृ विना मस्तु वी
निर्ग ॥ काकास्य नाश दिगपाल क. वी. व. श्व निवीन ग. र्ण. नमस्तु मदी. नि. (ग. व. र्ण. क. म.
रु. व. व. वि. लि. उप. पि. (था. कृ. शा. प. कृ. शा. च्छ. डी. प. च्छ. डी. म. ला. प. का. म. वा. य. क. शा. ड. य.
स्म. त्वा. न. क. वा. पु. वि. व. व. र्ण. म. नि. लि. व. र्ण. सी. धा. वृ. ध. र्ण. ध. र्ण. र्ण. सी. ध. र्ण. ना. धा. ग. र्ण.
नमस्तु गुरु गन्धर्व कृ. प. व. लु. ग. ॥ स. वा. कि. (क. ला. क. गु. व. र्ण. सी. धा. वृ. ध. र्ण. ध. र्ण. र्ण. सी. ध. र्ण. ना. धा. ग. र्ण.)
विता विता वज्र यता

विविस्मयावत॥

स्वाग (गठग्री) ॥ द्विविस्मयावत विवा सयिक ॥ २७ थरावा मउस. वाया रुगी ॥
पुशगब निवासियाव ॥ अमिय अमया. जनधन विवासयि २ सरुड संद विवेया
जिन हून. पयिस यिना करयि ॥ ६ ॥ ॥ चव वूझा गिनी. नकन मना २ वड वावा दि
आतिंगण. काय यिना करयि ॥ ६ ॥ ॥ ७ थं रुरावा. कवण कवा वि २ जय आ ॥
मैगण नीलावर्क. वाज यिना करयि ॥ ६ ॥ ॥ ७ थं रुरावा थी सवव. वड वावा दि
आतिंगन. निवासियाव ॥ ६ ॥ ॥ ७ थं रुरावा थी सवव. वड वावा दि
॥ ७ थं रुरावा थी सवव. वड वावा दि ॥ ७ थं रुरावा थी सवव. वड वावा दि ॥

सर्वगथा ॥

चय. सर्वधर्म निनेया मा. दसम उलै मकमी. गाक धर्मा गसरु म. हान चय्या विगु
क. समीण रुड विजाय. तावम उलै मकमी. सर्वसत्व महा विरु. शुद्ध पुक मि
निर्मसी. समक रुड विजाय. थावम उलै मकमी. सर्ववकन सी पुर्ण. सर्वतकन
विविगां ग. मना म उलै मकमी ॥ ॥ ~~सर्ववकन सी पुर्ण. सर्वतकन~~
सियाव ॥ ॥ थन सापिंठा. सिवक वान ॥ ॥ थन कारक काय ॥ ॥ सा सिवड
थरव ॥ ॥ थन उरु गवयिय. दकण काय ॥ सक विय. मैग साव वान भनि ॥

नमो नमो नमो नमो ॥ १ क न व

ऊल्लङ्घनमधिसिद्धिमात्रमूक्तिप्रसादः न नाहं ॥ ॐ ॥ नमामि २ श्री वृंजना
मतिरुणीदवी २ धर्मधनुषविशालिगः निगन्की ॥ ॐ ॥ नमामि २ श्री सूर्यधन
दवः दधवज्र (गतिगा २ द्वादशवर्षपुण्यगी विवाविगा ॥ ॐ ॥ नमामि २ श्री मे
शवज्जनगी गवविगा २ पुष्पामामिथीपुद्गनिदवीः अद्विसिद्धिदहिमा ॥ ॐ ॥
२ वागमातव ॥ मा ० नाल ॥ कनकवर्णदहाः एकमुखद्विभुज २ मकुटकृगनि
नीवाचनीदवी ॥ ॐ ॥ नमामि २ श्री क्काकामिनी ॥ शगनमादिनीदवीः अद्वि

मः २ कृष्णमिथिया ॥

सिद्धिप्रसाद ॥ ॐ ॥ सिंघाद्वियागनवृणीः ललितारसनल्लिगा २ वलारवज्ररुपि
गाः अग्निसुख (गमिगा ॥ ॐ ॥ गवधिमभुलमायः चकनल्लिगा २ मेग
धमभुलमायः चकनल्लिगाः सगजमभुलमायः पुमादिगद्वदया ॥ ॐ ॥
श्रीमारुणीदवीः त्रिखवनवापिगा २ मवनवलिप्रयतागिगा ॥ ॐ ॥
गनगुवृवन (गः ववपुमाद २ स्वयं दवी चकनल्लिगिद्धिप्रसाद ॥ ॐ ॥
२ वागमात्रवज्र (ग ॥ मा ० ॥ एकदनवल्लमकुद्वारकगा ॥ वदुगवज्र

प्रकृतस्य धनधात्री ॥ ॐ ॥ नमामि श्रीमैत्रेयी परममनन्य श्रुता ॥ दहिगणपति
 वामश्रीमहाकोत। सगणमण्डल मांडपुष्पाणि गच्छिना ॥ ॐ ॥ गृहिर्सेवावयाया
 विश्वकर्ममा ॥ अष्टमहातयवद्व्याधिद्विगद्वय ॥ ॐ ॥ वज्रध्वजपुसादिव
 दासतनयिता ॥ गुर्वचय ॥ मानसिद्धिवज्रपुसादा ॥ ॐ ॥ ० ॥ मातवज्राग ॥ ग ॥
 मा ० ॥ वक्रवर्धकमुखरायनविद्विहजात्रका ॥ गिनयनदहिनरुद्रगगाध्वज
 पुष्पाव ॥ ॐ ॥ जगगर्सीसासवलातरुलपुसादसिद्धिर्त्त ॥ जगगमनावाक्कासि

वक्रवर्धक
 गिद्वय

द्विरुत्तदहिम ॥ ॐ ॥ यक्षपादवसहिर्गद्वयगिसुन्दरीदवी ॥ अर्थसातयुक्त
 वायसुर्मगला ॥ ॐ ॥ सङ्गुचवज्र ॥ पुष्पादसिद्धिम ॥ रावाताववज्र ॥ श्रीमवा
 ज्ञानमामि ॥ ॐ ॥ पद्ममातगिर्विह्निगवज्रा ॥ रुवावाय ॥ अमृगपुसादवविववि
 तथीतीमवाज ॥ ॐ ॥ ० ॥ अरुविना ॥ ग ॥ मा ० गा ॥ विकचक्रमलायविदिनक
 वमण्डल ॥ सिन्धुलवर्धकमकानना ॥ तवअद्विरुत्तविरवदायनीयागिणी ॥ ॐ ॥
 दहिनवामपादक ॥ चित्रवध ॥ कवधवीकवगिन ॥ दनी ॥ गगायागिणी ॥ ॐ ॥

वक्रवर्धक
 गिद्वय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

तनयिपुत्रपुत्राद्यवर्जगोतकृत। पुण्यमासिदवीथी॥ ६॥ नमस्तथागो॥ ७॥
(हृदातत्राण॥ ८॥ पदकीतमास॥ ९॥ अतिरीषना इत्यपु॥ १०॥ प्रियमृगवटहृद
वधायीमौ॥ ११॥ अन्तर्विग्नवत्तातवना॥ वज्रघण्टवाया॥ नवगिबमाना॥ १२॥
नमामि श्रीगुलाकविज्ञया॥ विश्वनाथविश्वव्यापिना॥ शुद्धधर्मसंघपालिग
पुमिहाश्यादसनलिङ्गडमाह॥ श्वनश्वविश्वनाथविश्वव्यापिना॥ १३॥ न
कमिलायकारसैरावा॥ यमिनिषदशकार॥ विद्युसीतावा॥ खज्रपूरककवाय

विबुध

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मायसमायावा॥ १४॥ मानवदवीवर्जगदमयस॥ १५॥ नमस्तथागो॥ १६॥
विद्यादालकाश्यानजनागा॥ मानवदवीवर्जगदमयस॥ १७॥ नमस्तथागो॥ १८॥
रु॥ १९॥ नमस्तथागो॥ २०॥ निमार्गविजयशुक्लद॥ २१॥ नमस्तथागो॥ २२॥
शुक्लव॥ २३॥ नमस्तथागो॥ २४॥ नमस्तथागो॥ २५॥ नमस्तथागो॥ २६॥
ना॥ २७॥ नमस्तथागो॥ २८॥ नमस्तथागो॥ २९॥ नमस्तथागो॥ ३०॥
मयसमगद॥ ३१॥ नमस्तथागो॥ ३२॥ नमस्तथागो॥ ३३॥ नमस्तथागो॥ ३४॥
नमस्तथागो॥ ३५॥ नमस्तथागो॥ ३६॥ नमस्तथागो॥ ३७॥ नमस्तथागो॥ ३८॥
मि॥ ३९॥ नमस्तथागो॥ ४०॥ नमस्तथागो॥ ४१॥ नमस्तथागो॥ ४२॥
॥ ४३॥ नमस्तथागो॥ ४४॥ नमस्तथागो॥ ४५॥ नमस्तथागो॥ ४६॥
॥ ४७॥ नमस्तथागो॥ ४८॥ नमस्तथागो॥ ४९॥ नमस्तथागो॥ ५०॥